कुमार जीवन - 47

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ सभी विजयी कुमार हो ना? जहाँ बाप साथ है वहाँ सदा विजय है। **सदा बाप के साथ के आधार से कोई भी कार्य करेंगे तो मेहनत कम और प्राप्ति ज्यादा अनुभव होगी। बाप से थोड़ा सा भी किनारा किया तो मेहनत ज्यादा प्राप्ति कम।** तो मेहनत से छूटने का साधन है - बाप का हर सेकण्ड हर संकल्प में साथ हो। इस साथ से सफलता हुई पड़ी है। ऐसे बाप के साथी हो ना?

➳ _ ➳ जो बाप की आज्ञा है उस आज्ञा के प्रमाण कदम हों। बाप के कदम के पीछे कदम हो। **यहाँ कदम रखें या न रखें, राइट है या रांग है, यह सोचने की भी जरुरत नहीं।** नया कोई रास्ता हो तो सोचना भी पड़े। **लेकिन जब कदम पर कदम रखना है तो सोचने की बात नहीं। सदा बाप के कदम पर कदम रख चलते चलो।** तो मंजिल समीप ही है। बाप कितना सहज करके देते हैं - "श्रीमत" ही कदम है। श्रीमत के कदम पर कदम रखो। तो मेहनत से सदा छूटें रहेंगे। सर्व सफलता अधिकार के रुप में होगी। छोटे कुमार भी बहुत सेवा कर सकते हैं। कभी भी मस्ती नहीं करना, आप की चलन, बोल चाल ऐसा हो जो सब पूछें कि यह किस स्कूल में पढ़ने वाले हैं। तो सेवा हो जायेगी ना। अच्छा - **(11-05-1984)**

➢➢ अध्यात्म में उन्नति का मुख्य सूत्र

➳ _ ➳ किसी भी तरह का शो ऑफ न हो

→ हम जो भी करें उसमें दिखावा न हो

■ हम जो भी करें... चाहे सेवा या पुरुषार्थ

▸ वह आंतरिक और गुप्त हो

→ **First Law Of Spiritual Success**

■ **NO DISPLAY.... NO SHOW....**

➳ _ ➳ गुप्त रखें इन सब बातों को

→ जो भी नयी प्रतिज्ञा आपने की है

→ जो भी नया लक्ष्य आपने रखा है

→ जो भी नयी आदतें आप बनाने जा रहे हैं

➳ _ ➳ श्रेष्ठ आदतों का निर्माण करें

→ फिर वह आदतें अपने आप कार्य करने लगेंगी

■ कैसी भी परिस्थिति आपकी आदतें स्वतः ही आपको आगे बदायेंगी

➢➢ श्रीमत / मनमत / परमत

➳ _ ➳ श्रीमत को जानने का आधार

→ मुरली की बारिश में स्वयं को भिगो देना

→ मुरली के समुंदर में स्वयं को डुबो देना